an>

Title: Regarding prices of life-saving medical equipments in the country.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : महोदया, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपका ध्यान मेडिकल डिवाइसेज में जो अंधाधुंध लूट चल रही है, उसकी तरफ दिलाना चाहूंगा। आज की डेट में चाहे वह कार्डियक इम्प्लांट्स हो, चाहे वह आर्थोपेडिक इम्प्लांट्स हो, जो मार्केट प्राइस होता है, उससे पांच गुना दाम लिया जाता है। अगर मरीज हार्ट अटैक से नहीं मरे तो वह इन इम्प्लांट्स की कीमत देखकर जरूर मर जाएगा।

मैं आपको उदाहरण के तौर पर बताता हूं। जो इम्प्लांट होता है, उसे एबॉट कंपनी चालीस हजार रूपए में इंपोर्ट करती है और इसको बाजार में डेढ़ लाख रूपए में बेचा जाता है, एक इम्प्लांट को मेडिट्रॉनिक्स तीस हजार रूपए में इंपोर्ट करती है, जबकि इसको मार्केट में एक लाख बासठ हजार रूपए में बेचा जाता है, ऐसे ही जानसन एंड जानसन पैंतालीस हजार रूपए में इंपोर्ट करती है और मार्केट में इसका प्राइज एक लाख पैंतीस हजार रूपए है। एक एंजियोप्लास्टी करने में कम से कम तीन से चार इम्प्लांट्स की जरूरत पड़ती है। एक पेशेंट को चार लाख रूपए तक देने पड़ते हैं। अगर आर्थोपेडिक इम्प्लांट की बात करें तो दस हजार रूपए की चीज पचास हजार रूपए में बेंची जा रही है। आई.वी. सेट की बात करें, तो अगर कोई दुकानदार सौ आई. वी. सेट खरीदता है तो उसे पांच सौ आई.वी. सेट फ्री में मिलते हैं। किस तरह से इन मामलों में मरीजों को डॉक्टर और दवाखाने के नेक्सस से लूटा जा रहा है।

मैं आपके माध्यम से इसके प्रति ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा और माननीय मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि जब कॉस्मेटिक में एम.आर.पी. फिक्स होता है तो मेडिकल इम्प्लांट्स में भी हर हालत में एम.आर.पी. फिक्स होनी चाहिए, जिससे मरीजों को सहूलियत मिल सके। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री शिवकुमार उदासि, श्री निशिकान्त दुबे, श्री ए.टी.नाना पाटील, श्री देवजी एम. पटेल, श्री प्रेम दास राई, डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री नारणभाई काछड़िया, श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश, श्रीमती जयश्रीबेन पटेल, श्रीमती ज्योति धुर्वे, श्री राजेन्द्र अग्रवाल, डॉ. वीरेन्द्र कुमार, श्री पी.पी.चौधरी को *m15 डॉ. संजय जायसवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।